हनुमानगढ़

(उपनाम-सभ्यता का पालना- मरू गंगा का प्रवेष द्वारा)

- हनुमानगढ़ नगर का प्राचीन नाम भटनेर था, यह नगर कभी सिंध घाटी क्षेत्र को हिस्सा था. हनुमानगढ़ को 'सादुलगढ़' भी कहा जाता है.
- प्राचीन काल में जैसलमेर के राजा भाटी के पुत्र भूपत द्वारा सन् 295 ई. में यहाँ पर एक किले का निर्माण करवाया गया. जिसका नाम अपने पिता की स्मृति में भटनेर रखा.
- वर्ष 1805 ई. में बीमाने के राजा सूरत सिंह ने भाटियों को हराकर भटनेर पर अपना आधिपत्य कायम किया.
- राजा सूरत सिंह की विजय का दिन मंगलवार था जिसके कारण भटनेर का नाम हुमानजी के नाम पर 'हनुमानगढ़' कर दिया.
- 12 जुलाई, 1994 को गंगानगर जिले का विभाजन कर नव सृजित जिले हनुमानगढ़ को राजस्थान का 31 वॉं जिला बनाया गया.

- भटनेर का प्राचीन दुर्ग घग्घर नदी के तट पर स्थित हैं.
- हनुमानगढ़ को सभ्यता का पालना स्थल/मरू गंगा का प्रवेष द्वार कहा जाता है.
- जिले का क्षेत्रफल- 9659.09 वर्ग किमी.
- जिला कोड-02
- उपखण्ड-7
- तहसीलें-7
- उपतहसील-3
- कुल जनसंख्या- (2011)- 17,79,650
- पुरूष-9,33,660
- महिला-8,45,990
- कुल साक्षरता दर (2011)-68.37%
- पुरूष- 78.82%
- महिला-56.91%
- कुल जनसंख्या वृद्वि दर (2001-11)-17.24ः
- कुल लिंगानुपात (2011)1000:906
- जनसंख्या घनत्व (2011)- 184 प्रति वर्ग किमी.
- वनों का प्रतिषत -2.48 प्रतिषत.
- जिले के पड़ोसी राज्यः हरियाणा, पंजाब,
- जिले के पड़ोसी जिले-चुरू, गंगानगर, बीकानेर.
- जिले की नदी- घग्घर नदी.
- जिले की झिल-तलवाड़ा झील
- जिले की मिट्टी- रेतीली कछारी मिट्टी

.

Engineering masters 9571580

हनुमानगढ़ जिले की जल परियोजनाएं

- राजीव गांधी सिद्वमुख नहर परियोजना
- भाखड़ा नहर परियोजना
- इंदिरा गांधी नहर परियोजना
- गंधेली- सहवा लिफट नहर या कुम्भाराम आर्य लिफट नहर
- हनुमानगढ़ जिले में सेम (भूमिगत जल का सतह पर आना) की समस्या को समाप्त किया- रावतसर सेम प्रोजेक्ट द्वारा.
- किस देष की सहायता से हनुमानगढ. जिले में पेयजल पहुॅचाने की वृहत योजना हैं- जर्मनी.
- खनिज- जिप्सम.
- जिले में जिप्सम के भण्डार- रावतसर, नोहर व भादरा.
- हनुमानगढ़ जिले से कोई भी राष्ट्रीय राजमार्ग नहीं गुजरता है.
- जिले के मन्दिर- गोगाी का मन्दिर, भद्रकाली का मन्दिर, माता ब्रह्ानी का मन्दिर.
- दुर्ग- भटनेर का किला.
- लोक नाट्य- पावडिया कला.
- लोक देवता- गोगामेड़ी.
- मेला/महोत्सव- भद्रकाली मेला, गोगामेड़ी का मेला, षिलामाता का मेला, पल्लू मेला.
- गोगाजी गायों के रक्षार्थ वीरगति को प्राप्त हए.
- गोगाजी का जन्मस्थल ददरेवा (चुरू) में हैं.
- हनुमानगढ़ जिले में भेड़ प्रजनन एवं अनुसंधान केन्द्र स्थित हैं. यहॉ नाली नस्ल की भेड.ो के अनुसंधान किए जाते हैं.
- हनुमानगढ़ जिले में उत्पादन की दुष्टि से सर्वाधिक चावल पैदा होता है. वहीं कपास उत्पादन के मामले में हनुमानगढ़ जिला राज्य में एक दूसरे स्थान पर है.
- इस जिले के नोहर में खालसा पंथ के संस्थापक तथा दसवें गंरू गोविन्द सिंह के नोहर आगमन की स्मृति में 1730 ई. में ऐतिहासिक गुरूद्वारा स्थापित किया गया.
- पंजाब के होषियारपुर जिले में सतलज नदील पर बनी भांखड़ा-नांगल परियोजना पर बनी गोविन्द सागर झील पर बने बॉंध से इस राज्य के हनुमानगढ़ जिले को सर्वाधिक सिंचाई की सुविधा प्राप्त होती है.

पर्यटन स्थल

गोगामेड़ी- हनुमानगढ़ जिले की नोहर तहसील में गोगामेड़ी नामक लोक देवता का तीर्थस्थल हैत्र गोगाजी को सांपो का देवता, गोगाजी, चौहान गुग्गा, जाहिरपीर आदि नामें से भी जाना जाता है. इस मन्दिर में एक हिन्दू और एक मुस्लिम पुजारी होता है. जो साम्प्रदायिक सद्भाव का अनोखा उदाहरण है. इसकी मूर्ति खेजड़ी वृक्ष के नीचे मिलती है.

कालिबंगा ष्यह सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल है. इस स्थल की खोज 1953 में अमलानन्द घोष ने की थी तथा खुदाई का कार्य 1961 से 1969 ई. तक बी.बी. लाल और बी.के. थापर ने करवाया . यहॉ से कपास उत्पादन के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, यहीं से जूते हुए खेत के अवषेष भी प्राप्त हुए है

Engineering masters 9571368

भटनेर दुर्ग 295 ई. में इस दुर्ग का निमार्ण जैसलमेर के भाटी राजा के पुत्र भूपत ने करवाया था. यह दुर्ग हनुमानगढ. में घग्घर नदी के तट पर बना है. भूपत ने अपने पिता की स्मृति में दुर्ग का नाम भटनेर रखा बाद में भटनेर दुर्ग का नाम हनुमानगढ़ हो गया.

Engineering masters 9571368O